



दिनांक:- 29/07/2020

आदरणीय **श्रीमान श्री जी**

कोरोना से निपटने के तौर तरीकों से व्यथित होकर मैं यह पत्र आपको लिख रहा हूँ। आप भी इस संकट काल में बिहारवासियों की दुर्दशा से परिचित होंगे ही, तमाम न्यूज चैनल्स लगातार दिखा रहे हैं कि किस तरह कोरोना से निपटने में बिहार सरकार फेल हुई है। बिहार की चरमराई चिकित्सा व्यवस्था अब आपराधिक लापरवाही में तब्दील हो चुकी है। न अस्पतालों में पर्याप्त बेड हैं, न समर्थ चिकित्सा व्यवस्था, बिहार जैसे गरीब राज्य के लिए निवासियों को यह दो में से एक विकल्प चुनने के लिए बाध्य करने जैसा है। या तो बाढ़ और उससे जुड़े कारणों से मरो या फिर कोरोना से।

यह स्थिति आपकी संवेदना को अधिक झकझोड़नी चाहिए, क्योंकि केंद्र से लेकर राज्य तक में आपकी सरकार है। केंद्र में दोनों और बिहार के स्वास्थ्य मंत्री भाजपा के हैं। केंद्र में भी स्वास्थ्य राज्य मंत्री श्री अश्विनी चौबे बिहार के ही हैं। 40 में से 39 लोकसभा सदस्य भी आपके ही हैं। ऐसे में बिहार की स्थिति पर आपकी चिंता बढ़नी चाहिए।

जब दिल्ली में केंद्र सरकार 10 हजार बिस्तर का कोविड अस्पताल फटाफट खोल सकती है। रेल के सैंकड़ों कोच चिकित्सा के लिए उपलब्ध करा सकती है। हालांकि आपकी विशेष कृपा से बेहतर होती दिल्ली की स्थिति के कारण दोनों ही अब खाली हैं। तो बिहार के लोगों ने क्या आप पर विश्वास कर कोई गलती की है?

मैं आपसे विनम्र अनुरोध करता हूँ कि आप दिल्ली में बेकार पड़ी चिकित्सा सुविधाओं को बिहार को उपलब्ध कराएं साथ ही विशेषग्य चिकित्सक, जांच और चिकित्सा सुविधाएं बिहार को तत्काल भेजें। बिहारवासियों का दुर्भाग्य है कि दोहरी आपदा की इस घड़ी में उनका मुख्यमंत्री घर की देहरी से बाहर पांव रखने को तैयार नहीं है।

मुझे विश्वास है कि आप सिर्फ बिहार के विधानसभा चुनावों की चिंता करने के स्थान पर लाचार और लुंजपुंज राज्य व्यवस्था के शिकार बिहारवासियों की पीड़ा पर अविलंब ध्यान देंगे।

श्री नरेन्द्र मोदी

मान्य प्रधानमंत्री भारत सरकार

दिल्ली - 110011

सादर,

तारिक अनवर